हिंदी अकादमी, हैदराबाद ISSN : 2277-9264
यूजीसी केयर सूची में सम्मिलित पत्रिका

जुलाई-सितम्बर, 2024

संकल्य

अंक-3

विशेषांक

तिब्बती साहित्यिक स्त्रोतों की रूपरेखा

(हैदराबाद विश्वविद्यालय, प्रतिष्ठित संस्थान (IoE) द्वारा वित्तपोषित परियोजना)

प्रधान संपादक
प्रो. आर. एस. सर्राजु

संपादक
डॉ. गोरख नाथ तिवारी
डॉ. शशिकांत मिश्र

अतिथि संपादक
भीम सिंह
अर्णव केयूर अंजारिया
सेतु कुमार वर्मा

संपादन सहयोग
प्रियंका प्रियदर्शिनी
अजय प्रकाश
मनीषा कुमारी
सुमन कुमारी
त्सेरिंग धोंदुप

शोध और सृजन की त्रैमासिक पत्रिका

52 वर्षों से निरंतर दक्षिण से प्रकाशित

हिंदी अकादमी, हैदराबाद ISSN : 2277-9264
यूजीसी केयर सूची में सम्मिलित पत्रिका

संकल्प

शोध और सृजन की त्रैमासिक पत्रिका

52 वर्षों से निरंतर दक्षिण से प्रकाशित

वर्ष : 52 अंक : 3 जुलाई-सितंबर 2024

विशेषांक

तिब्बती साहित्यिक स्त्रोतों की रूपरेखा

(हैदराबाद विश्वविद्यालय, प्रतिष्ठित संस्थान (IoE) द्वारा वित्तपोषित परियोजना)

अतिथि संपादक
भीम सिंह
अर्णव केयूर अंजारिया
सेतु कुमार वर्मा

RNI No. : 25388/74
ISSN : 2277-9264
यू.जी.सी. केयर सूची में सम्मिलित जर्नल

मधुसूदन चतुर्वेदी एवं प्रो. बैजनाथ चतुर्वेदी कीर्ति स्तम्भ

स्थापना वर्ष : 1956

संकल्प

त्रैमासिक

वर्ष : 52 : अंक-3, जुलाई-सितम्बर, 2024

प्रेरणास्रोत
विवेकी राय एवं
प्रो. टी मोहन सिंह

कानूनी सलाहकार
सुश्री कविता ठाकुर

परामर्शदाता मंडल
प्रो. टी. आर. भट्ट
प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल
प्रो. दिलीप सिंह
प्रो. तेजस्वी कट्टीमनी
प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय
प्रो. शुभदा वांजपे
प्रो. जयंत कर शर्मा
प्रो. प्रभाकर त्रिपाठी
श्री ओम धीरज
श्री रूद्रनाथ मिश्र

सम्माननीय संरक्षक
श्री राजेश्वर तिवारी, आई.ए.एस.
श्री लाल जी राय, आई.ए.एस.
श्री जीतेन्द्र रेड्डी, पूर्व संसद सदस्य
प्रो. आर. के. मिश्रा (विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री)

प्रधान संपादक
प्रो. आर. एस. सर्राजु

संपादक
डॉ. गोरख नाथ तिवारी
डॉ. शशिकांत मिश्र

प्रबंध संपादक
रेखा तिवारी

अतिथि संपादक
डॉ. भीम सिंह
डॉ. अर्णव केयूर अंजारिया
डॉ. सेतु कुमार वर्मा

संपादन सहयोग
प्रियंका प्रियदर्शिनी
अजय प्रकाश
मनीषा कुमारी
सुमन कुमारी
त्सेरिंग धोंदुप

सम्पादकीय कार्यालय

प्लॉट नं. 10, रोड नं. 6, समतापुरी कॉलोनी
न्यू नागोल के पास, हैदराबाद-500035 (तेलंगाना)

संकल्य (त्रैमासिक)

- प्रकाशित सामग्री की रीति-नीति या विचारों से **हिंदी अकादमी, हैदराबाद** या संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।
- **'संकल्य'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल हैदराबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
- **हिंदी अकादमी** तथा हिंदी सेवा के लिए समर्पित **'संकल्य'** त्रैमासिक के सभी पद अवैतनिक हैं।

शुल्क भेजने का पता :

मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट **हिंदी अकादमी** के नाम
सचिव : **डॉ. गोरख नाथ तिवारी**
मकान नं. 22-7/7/2/ए, जय भवानी नगर,
सिद्दिल गुढा गुट्टा कमान रालागुड़ा शमशाबाद,
हैदराबाद-501218 (तेलंगाना) ई-मेल : hindiakadami@gmail.com
फोन : 9032117105

मूल्य :

एक अंक का मूल्य रु. 125/-
व्यक्तिगत वार्षिक सदस्यता : रु.500/-, आजीवन व्यक्तिगत सदस्यता : रु.6,000/-
संस्थागत वार्षिक सदस्यता : रु. 800 /-, संस्थाओं के लिए आजीवन सदस्यता : रु. 7,500/-
संरक्षक सदस्यता शुल्क : रु. 7,500/-
ऑनलाइन संकल्य की सदस्यता शुल्क भेजने हेतु पृष्ठ : 130

आवरण चित्र

साभार : शिवम् सागर

प्रकाशकः

डॉ. गोरख नाथ तिवारी
सचिव, हिन्दी अकादमी, हैदराबाद

नोट : यह विशेषांक आईओई, यूओएच के सौजन्य से प्रकाशित हुआ है)

मुद्रक :

नयी किताब प्रकाशन
1/11829, प्रथम तल, पंचशील गार्डन,
नवीन शहादरा, दिल्ली-110032

अनुक्रम

संपादकीय

भारत तिब्बत सम्बन्ध — *प्रो. आर.एस. सर्राजु* — 7

अतिथि संपादकीय

तिब्बती साहित्यिक स्रोतों की रूपरेखा — *भीमसिंह, अर्णव केयूर अंजारिया, सेतु कुमार वर्मा* — 9

विशेष व्याख्यान

भारत तिब्बत सांस्कृतिक-सम्बन्ध — *आनंद कुमार* — 13

तिब्बती साहित्यिक स्रोतों के विविध पटल — *भुचुंग डी सोनम* — 21

निर्वासित जीवन और रचना-प्रक्रिया — *तेनज़िन त्सुन्ड्यु* — 24

भारत के लिए तिब्बत के मायने — *सेरिंग यांगचेन, वेन गेशे एल अतुक सेतेन, धोंडूप ताशी* — 27

साइबरस्पेस और तिब्बत — *अर्णव केयूर अंजारिया* — 33

तिब्बती साहित्यिक स्रोत : अनछुए प्रसंग — *चन्द्रभूषण* — 43

तिब्बती साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ और संभावनाएँ — *अनुराधा सिंह* — 49

तिब्बत मुक्ति आन्दोलन और भारत — *आनंद कुमार* — 54

हिमालय की भू-राजनीति — *उत्तम लाल* — 58

पश्चिमी हिमालय के तिब्बती बौद्ध समुदाय पर आधुनिकता का प्रभाव — *अमन कान्त पन्त* — 66

शोध आलेख

तिब्बती बौद्ध कैननः कांग्यूर और तेंग्यूर का महत्त्व — *राजीव कुमार वर्मा, जया वर्मा* — 69

तिब्बती सांस्कृतिक क्षेत्र की तलाशः किसी क्षेत्र को परिभाषित करने की पद्धति परक कोशिश — *एम. एन. राजेश, लानुचिला चांगकिरी* — 75

तिब्बती देह और भारतीय आत्मा के प्रतीक लामा तारानाथ — *प्रियंका चुघ, अर्णव केयूर अंजारिया* — 83

तिब्बती राष्ट्रवादी इतिहास-लेखन : साम्राज्य से राज्यविहीन राजनीति तक — *नम्खा त्सेरिंग* — 89

महिलाओं का आंदोलन और अस्तित्वः स्वतंत्रता आंदोलन में तिब्बती महिलाओं की भूमिका — *आशिता मंदाकाथिंगल* 103

'बारदो थोसडोल' पुस्तक की नैतिक प्रासंगिकता — *देस्क्योंग अंग्मो* 115

मानसिक प्रत्यक्ष बोध (यिद मंगोन) पर तिब्बती विद्वानों के विचारों का विश्लेषण — *जामयांग दक्पा* 121

तिब्बत में बौद्ध धर्म और लिपि का उद्भव और विकास — *स्टैंज़िन ल्हाडोल* 126

सिक्किम में बौद्ध धर्म — *चुकी भूटिया* 131

नामग्याल तिब्बत अध्ययन संस्थान : ज्ञान का हिमालयी खजाना — *एस. जीवानंदम और अर्चना एस* 135

त्सेरिंग यांगज़ोम लामाः हम अपने शरीर से पृथ्वी को मापते हैं — *सोनम चोमो* 148

तिब्बत में शिक्षा- चुनौती और प्रतिक्रिया — *डी. वीरा बाबू* 158

पर्यटन विकास में बौद्ध विरासत-ओडिशा में तिब्बती संस्कृति का प्रभाव — *बाबुली चंद्र नायक* 163

तिब्बती कविता की भिन्न अर्थ छवियाँ — *प्रियंका प्रियदर्शिनी* 169

विस्थापन की त्रासदी और संघर्ष का यथार्थ चित्रण करती 'देनपा-तिब्बत की डायरी' — *जगदीश सौरभ* 179

तेनजीं सुण्डू की कविताओं में निर्वासितों का यथार्थ ('कोरा' के संदर्भ में) — *नितिन पाटिल* 185

बेघर होने का संताप दर्ज करती तिब्बत केंद्रित हिन्दी कविताएँ — *विनोद मिश्र* 191

प्रेम-पीर के अल्हड़ कवि षष्ठ दलाई लामा — *योगेन्द्र प्रताप सिंह* 197

निराशा, आक्रोश और आशा के बीच अस्मिता तलाशती समकालीन तिब्बती कविताएँ — *सूरज रंजन* 203

सांस्कृतिक बेदखली से निर्वासन तक : हिन्दी में अनूदित तिब्बती कविताएं — *सोनल* 210

अहिंसा के देवताओं पर हिंसक राजनीति — *छोटू राम मीणा* 215

तिब्बती साहित्य की भूमिका — *हिमांशु विश्वकर्मा* 222

तिब्बती लोककथाओं की बुद्धिमान महिलाएँ — *सेतु कुमार वर्मा* 228

तिब्बती साहित्यिक स्रोत : तिब्बती लोककथाओं के विशेष सन्दर्भ में — *विश्वजीत कुमार मिश्र, मदालसा मणि त्रिपाठी* 232

'सीमाओं से परे' : नाजी जर्मनी के दौरान तिब्बत में जर्मन वैज्ञानिक मिशन — *अमित कुमार शर्मा* 238

'कैप्टन हैमिल्टन बोबर' का तिब्बत-विषयक वर्णन — *अजीत आर्या* 244

राहुल सांकृत्यायन का तिब्बत संबंधी चिंतन : 'मेरी तिब्बत यात्रा' के विशेष संदर्भ में — *चन्द्र पाल* 248

हाइनरिक हेरर की किताब 'तिब्बत में सात वर्ष' पर एक नज़र — *पुष्कर बन्धु* — 254

चौदहवें दलाई लामा तेंजिन ग्याछो के आध्यात्मिक विचारों पर आधारित पुस्तक 'सद्हृदय' की समीक्षा — *राठोड पुंडलिक* — 262

बौद्ध धर्म के संदर्भ में दलाई लामा के विचारों पर एक विहंगम दृष्टि — *अनुपमा पी.ए.* — 270

दलाई लामा की आत्मकथा में तिब्बतः 'मेरा देश मेरे देशवासी' के सन्दर्भ में — *रामप्यारी* — 277

तिब्बती जीवन-दर्शन : जर्जर कंक्रीट-वन में उम्मीद का अयस्क — *आदित्य रंजन यादव* — 284

'द ग्रेट एस्केप दलाई लामा' कोई ऐसा घर नहीं जिसे अपना कह सकें — *सुरेंद्र कुमार* — 290

'सिंगिंग बाउल्स' का संक्षिप्त परिचय और इक्कीसवीं सदी का तिब्बती संगीत — *नितेश मिश्र* — 295

तिब्बत में इस्लाम का प्रसार — *रामजीवन भील* — 300

द मंडला ऑफ़ शेरलॉक होम्स — *अजय प्रकाश* — 305

आ लाए के उपन्यासों में चित्रित तिब्बती समाज एवं संस्कृति — *शिवम कुमार* — 310

तिब्बती संस्कृति : संघर्ष और उत्कर्ष — *सच्चिदानन्द मिश्र* — 314

कुमाऊँ और तिब्बत : संस्कृति, साहित्य और भाषा की अनूठी साझेदारी — *दीक्षा मेहरा* — 320

तिब्बत-नेपाल सम्बन्ध और संस्कृति — *अमित कुमार जायसवाल* — 325

सीमा पार वाणिज्यः हिमालयी जनजातियाँ, ऐतिहासिक महत्त्व और समकालीन प्रभाव — *अभिषेक कुमार मीना* — 330

तिब्बत में पर्यावरण संस्कृति के साक्ष्य — *सरस्वती कुमारी* — 335

तिब्बती समाज और संस्कृति — *शशि पाण्डे* — 340

भारत-तिब्बत संबंध : ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक आयाम — *धनंजय कुमार* — 345

तिब्बत मुक्ति संघर्ष का प्रश्न : जबाबदेहों की जबाबदेही — *अनीस अहमद* — 354

डॉ. राम मनोहर लोहिया का तिब्बत दृष्टिकोण तथा हिमालय नीति : एक संसदीय बहस का विश्लेषण — *सुमन यादव* — 360

गेशे लख्या त्सेरिंग द्वारा तिब्बती दर्शन और विज्ञान में परमाणु सिद्धांतों की तुलना — *गेशे लोबसांग वांगद्रक* — 368

तिब्बत-अध्ययन की दृष्टियाँ — *भीम सिंह* — 374

भारत में जाइलोग्राफ और पांडुलिपियों का सर्वेक्षण — *एस. के. पाठक* — 385

परिचर्चा — *तेनज़िन त्सुन्ड्यु, उत्तम लाल, एम एन राजेश, अनुराधा सिंह, गजेन्द्र पाठक* — 396

संवाद — *आनंद कुमार* — 401

संपादकीय

भारत-तिब्बत सम्बन्ध

भारत और तिब्बत के मध्य प्राचीन सांस्कृतिक, धार्मिक और व्यापारिक सम्बन्ध रहे हैं। दुनिया की विविध शासन व्यवस्थाओं में धर्म की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है। तिब्बत भी इसका अपवाद नहीं है। भारतीय जनमानस में तिब्बत, कैलाश और मानसरोवर की यात्रा के रूप में समादृत रहा है। भारत और तिब्बत के मध्य बौद्ध धर्म ने एक नया आयाम विकसित किया। यह आयाम धर्म, शिक्षा, साहित्य और अनुवाद के सहारे पल्लवित और पुष्पित हुआ। 'गुरु-देश' भारत के ज्ञान और साहित्य को संरक्षित करने का कार्य भी तिब्बत ने किया।

भारत और तिब्बत का भूगोल केवल राजनीतिक सीमा के दायरे के अध्ययन का विषय नहीं है, यह सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों के सहारे नए आयाम खोलता रहा है। भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए हिमालय-नीति को लेकर पुनर्विचार की आवश्यकता आधुनिक चिंतकों में राममनोहर लोहिया ने सर्वप्रथम उठाई थी। तिब्बत आधुनिक विस्तारवादी नीति की भेंट चढ़ गया। इसके कारण हिमालय पर आश्रित विभिन्न मुल्कों के पर्यावरण को व्यापक क्षति पहुंची। तिब्बत की विस्थापित मानवता अपने मुल्क की छवि को भाषा, साहित्य और कलाओं में प्रस्तुत करती आ रही है। इस छवि में निर्वासन की पीड़ा, देशविहीन होने का दंश और नागरिकता से महरूम मानवता की सिसकियाँ मौजूद हैं।

आधुनिक शासन प्रणालियों ने दुनिया की विविधता को एकरूपता में रूपांतरित करने के अभियान को अमलीजामा पहनाया। यह अभियान अभी भी अपने मुकाम को प्राप्त नहीं कर सका है। आज दुनिया पूँजीवादी, साम्यवादी, अधिनायकवादी, सैन्यवादी और प्रजातान्त्रिक शासन-प्रणालियों के बीच जूझ रही है। ऐसे में मानवताप्रिय लोग उस उत्तर की खोज में है जो शांति और जीवन के पक्ष में हो। जहाँ विस्तार की जगह करुणा आधारित जीवन और सहअस्तित्व का अनुपालन होता हो।

परम पावन दलाई लामा के तिब्बती भाषा और साहित्य के संरक्षण के प्रयासों से नयी उम्मीद जगी है। भारत की प्राचीन साहित्यिक धरोहर के स्रोतों के नज़रिए से तिब्बत एक महत्त्वपूर्ण महादेश है। इस महादेश की अपनी महासभ्यता और संस्कृति को शेल्डन पोलाक ने 'देशज आधुनिकता' के नज़रिए से प्रस्तुत किया है।

'संकल्य' पत्रिका की ऐतिहासिक विरासत की कड़ी में 'तिब्बती साहित्यिक स्रोतों की रूपरेखा' विशेषांक एक बेहद महत्त्वपूर्ण और जरुरी पहल है। यह पहल वैश्विक भूराजनीति, देश की सामरिक सुरक्षा और अन्य व्यवहारिक प्रश्नों के साथ-साथ साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों की ओर नए अकादमिक विमर्श को जन्म देने का प्रयास